Note: Figures for later months are not available. Statistics of exports are recorded by weight, hence information regarding the number of books exported is not available.

प्रदर्शनियां

१८३३. **श्री पद्म देव :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल देश के उद्योग विभाग ने भारत में वर्ष १९५७–५८ में हुई किन–किन प्रदर्शनियों में भाग लिया; और

(ख) इस सम्बन्ध में दैनिक भत्ते और यात्रा भत्ते पर कितनी धनराशि व्यय हुई ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री): (क)

१. गौहाटी, अखिल भारतीय कांग्रस प्रदर्शनी;

२. सरनगर औद्योगिक प्रदर्शनी;

३. रामपुर लावी मेला प्रदर्शनी;

४. चम्बा में हुई पर्वत प्रदेशीय पशु प्रदर्शनी;

५. सोलन मेला प्रदर्शनी ।

(ख) २,९१५ ९० ।

मालवीय नगर और कालका जी के विस्थापित व्यक्ति

१८३४. **श्री वाजपेयी :** क्या पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मालवीय नगर तथा कालकाजी के विस्थापितों का एक प्रतिनिधिमण्डल हाल ही में पुनर्वास मंत्रालय के सचिव से मिला था;

(ख) यदि हां, तो उन्होंने क्या क्या मांगें पेश कीं; और

(ग) उस पर सरकारी की क्या प्रतिक्रिया हुई है ?

पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री के सभा-सचिव (श्री पू० शे० नासकर): (क) जी हां ।

(ख) प्रतिनिधियों की मुख्य मांग यह थी कि साल १९५७ के अन्त तक के नाजायज तौर पर कब्जा करने वाले शरणार्थियों को रेगुलराइज कर दिया जाये यदि वे एलिजिबिल हों ।

(ग) इस मांग पर विचार किया गया था और यह फैसला हुआ कि इस प्रकार की आम रियायत देना मुमकिन नहीं है परन्तु प्रत्येक मामले की उचितता के आधार पर विचार किया जायेगा ।

Imperial Chemical Industries

1835. **Dr. Ram Subhag Singh:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether the Imperial Chemical Industries has proposed to invest about Rs. 15 crores in India during the next 15 months;

(b) whether the pattern of that investment has been decided; and

(c) if so, what is that pattern?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) to (c). Messrs. Imperial Chemical Industries have stated that their expansion plans in India involved an investment of 12-15 crores. Nearly half the amount has already been invested in the country. The remaining amount would be invested in due course. It will be seen that the pattern of investment has yet to be decided by this firm.

Development of Industries

1836. **Sardar Iqbal Singh:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the amount sanctioned by Government for the growth of industries

in Punjab in the years 1954, 1955, 1956 and 1957 respectively;

(b) how many enterprises have been given financial aid during the same years; and

(c) the amount allowed to lapse during the above period?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) to (c). A statement giving the available information by financial years is attached. [See Appendix VI, annexure No. 65]

Displaced Persons in Bombay State

1837. Shri Assar: Will the Minister of Rehabilitation and Minority Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an increased amount of convenience charge and rent is being recovered with effect from 1949 in respect of evacuee and Government built properties in Bombay State though order for increase was issued in 1953; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Rehabilitation and Minority Affairs (Shri P. S. Naskar): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

विदेशी भाषाओं के दुभाषिये

१८३८. श्री क० भे० मालवीय : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में इस समय किन किन विदेशी भाषाओं के दुभाषिये कार्य कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार के सामने कोई ऐसा प्रस्ताव है कि जिन देशों के साथ हमारे राजनयिक सम्बन्ध हैं उनकी भाषाओं के दुभाषिये हमारे यहां हों; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गयी है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) फ्रांसीसी, जर्मन, फारसी, रूसी और तिब्बती ।

(ख) और (ग). जी नहीं । किफायत की दृष्टि से, और सब भाषाओं के लिए प्रधान कार्यालय (हैडक्वार्टर्स) में दुभाषिए रखने का सरकार का फिलहाल इरादा नहीं है ।

पैनिसिलीन की बिक्री

१८३९. श्री आसर : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिंपरी की हिन्दुस्तान एन्टी-बायोटिक्स कम्पनी लिमिटेड में बनाये गये 'निसिलीन का विक्रय मूल्य आयात की हुई 'निसिलीन के मूल्य से कहीं अधिक '; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री): (क) हिन्दुस्तान एन्टी-बायोटिक्स (प्रा०) लि०, पिम्परी, द्वारा बनायी जाने वाली खुली पैनिसिलीन का विक्रय मूल्य ६९ न० पै० प्रति मेगा यूनिट (१० लाख यूनिट) है जबकि आयात की जाने वाली खुली 'निसिलीन का भाव लगभग ४१ न० ' होता है।

(ख) दोनों के भावों में इतना अंतर होने का कारण निम्न हैं:—

(१) कहते हैं कि निर्यातक देशों की यह होती है कि वे अप' यहां बना माल अपने 'श में ऊंची कीमत पर बेचते हैं और वही माल अपनी उत्पादन लागत से भी कम दामों